छत्तीसगढ़ जलवायु परविर्तन सम्मेलन 2024

चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने 2 दविसीय**जलवायु परविर्तन सम्मेलन का शुभारंभ कयि, जसिमें** जलवायु परविर्तन **से उत्पन्न बड़े खतरे के कारण प्रकृति को बचाने के लयि और अधकि** उपायों एवं प्रयासों का आह्वान कयि गया।

- **कॉन्क्लेव का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परविर्तन केंद्र और वन एवं जलवायु परविर्तन वभाग द्वारा फाउंडेशन फॉर इकोलॉजकिल सक्यिोरटी के** तकनीकी सहयोग से कयि गया था।

मुख्य बदिु:

- आयोजन के दौरान, मुख्यमंत्री ने **अनयिमति वर्षा, लंबे समय तक सूखे, चक्रवाती वर्षा और मौसमी बदलावों** को देश एवं वशि्व दोनों को प्रभावति करने वाली मूर्त अभवि्यक्तयिों के रूप में उद्धृत करते हुए जलवायु परविर्तन की गंभीरता को रेखांकति कयि।
  - CM ने प्रकृत, हरयिाली और **प्राकृतकि संसाधनों के संरक्षण के महत्त्व** पर प्रकाश डालते हुए इन चुनौतयिों से नपिटने के लयि रणनीत बनाने पर ज़ोर दयि।
- कॉन्क्लेव के दौरान, मुख्यमंत्री ने **'जलवायु परविर्तन पर छत्तीसगढ़ राज्य कार्य योजना'** भी लॉन्च की और बस्तर में पारंपरकि स्वास्थ्य प्रथाओं पर **'एनशयिंट वसिडम'** नामक पुस्तक का अनावरण कयि।
- उन्होंने **वर्ष 2015 के** पेरसि समझौते को जलवायु परविर्तन से नपिटने के वैश्वकि प्रयासों में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि बताया और वैश्वकि स्तर पर सहयोग जारी रखने का आग्रह कयि।
- इस सम्मेलन का उद्देश्य वशिषज्ञों, पर्यावरणवदिों, नीत निर्माताओं और आदवािसी समुदायों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान एवं चर्चा को सुवधािजनक बनाना है।

पारस्थितकि सुरक्षा फाउंडेशन (FES)

- यह **आनंद, गुजरात में स्थति एक पंजीकृत गैर-लाभकारी संगठन है।**
- वर्ष 2001 में गठति, यह सतत् और न्यायसंगत वकिास की नींव है।
- यह जहाँ आवश्यक हो, देश में पारस्थितकि उत्तराधकिार की प्रक्रयि और भूम, वन एवं जल संसाधनों के संरक्षण को मजबूत करने, पुनर्जीवति करने या पुनर्स्थापति करने हेतु प्रतबिद्ध है।

जलवायु परविर्तन पर पेरसि समझौता

- यह **जलवायु परविर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क अभसिमय (UNFCCC)** के तहत कानूनी रूप से बाध्यकारी वैश्वकि समझौता है जसि वर्ष 2015 में अपनाया गया था। इसे UNFCCC COP21 में अपनाया गया था।
- इसका उद्देश्य जलवायु परविर्तन से नपिटना और ग्लोबल वार्मगि को पूर्व-औद्योगकि स्तर से 2 डग्रिी सेल्सयिस से नीचे सीमति करना है, साथ ही वार्मगि को 1.5 डग्रिी सेल्सयिस तक सीमति करने की महत्त्वाकांक्षा है।
- इसने **क्योटो प्रोटोकॉल** का स्थान लयि जो जलवायु परविर्तन से नपिटने के लयि एक पूर्व समझौता था।
- पेरसि समझौता ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने, जलवायु परविर्तन के प्रभावों को **अनुकूलति करने और जलवायु परविर्तन को संबोधति करने के अपने प्रयासों में वकिासशील देशों को सहायता प्रदान करने के लयि मलिकर कार्य करने हेतु देशों के लयि एक रूपरेखा नर्धिारति करता है।**
- पेरसि समझौते के तहत, प्रत्येक देश को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और जलवायु परविर्तन के अनुकूल होने के लयि अपनी योजनाओं की रूपरेखा बताते हुए,प्रत्येक **5 वर्ष में अपने राष्ट्रीय रूप से नर्धिारति योगदान (NDC)** को प्रस्तुत एवं अद्यतन करना आवश्यक है।
  - NDC देशों द्वारा अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और जलवायु परविर्तन के प्रभावों को अनुकूलति करने के लयि की गई प्रतज्ञिा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chhattisgarh-climate-change-conclave-2024